

# स्वस्थ एवं ऊर्जावान युवा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की नींव : मुख्यमंत्री

**चम्पावत 18 अक्टूबर (निःसं०)।**  
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान बनबसा स्थित मिनी स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट सहित विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को खेल किट एवं पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित करना उनके परिश्रम और समर्पण का सम्मान है। खेल किट खिलाड़ियों को अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने, नशे से दूर रहने और अनुशासनपूर्ण जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं ऊर्जावान युवा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की नींव हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चम्पावत के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। 'आदर्श चम्पावत' का लक्ष्य हासिल करना 'आदर्श उत्तराखण्ड'।



की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसी उद्देश्य से खेल, स्वास्थ्य, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। खेल सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोहाघाट में लगभग 256.97 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा महिला स्पोर्ट्स कॉलेज प्रदेश की महिला खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

है। इससे खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और खेल के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं, नियमित स्वास्थ्य जांच और निःशुल्क दवा वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त, जनपद में 20 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 50 शैय्यायुक्त क्रिटिकल केयर ब्लॉक गंभीर रोगियों को बेहतर

उपचार उल्लब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि टनकपुर में लगभग 237.74 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा आधुनिक अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) क्षेत्र की परिवहन एवं संपर्क व्यवस्था को मजबूत करेगा। वहीं, मां पूर्णागिरि धाम और शारदा कॉरिडोर से संबंधित विकास कार्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर सृजित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बनबसा के चूना भट्टा स्थित स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन करम चन्द स्टेडियम में चार विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। इनमें 28 लाख रुपये की लागत से दर्शकदीर्घा स्टेड, 20 लाख रुपये की लागत से पहुंच मार्ग और 20 लाख रुपये की लागत से बाउंड्री वॉल का निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत 150.20 लाख रुपये की लागत से बैडमिंटन हॉल का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों से स्टेडियम में

खेल सुविधाओं का विस्तार होगा तथा खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर आधारभूत ढांचा उपलब्ध होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली साधना और बालक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जतिन चंद को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत सरकार के उपक्रम एनएचपीसी लिमिटेड के टनकपुर पावर स्टेशन द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत वन प्रभाग हल्द्वानी और वन प्रभाग चम्पावत को उपलब्ध कराए गए तीन टाटा योद्धा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वाहनों से वन विभाग के कार्यों को सुगम बनाने के साथ वन एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों, युवाओं और क्षेत्रवासियों से खेल, स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सकारात्मकता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की।

## अक्षय कुमार ने सीएम धामी से की मुलाकात, उत्तराखंड की फिल्म नीति पर हुई चर्चा

देहरादून, 18 अक्टूबर ( नि०स० )। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने रविवार



को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके शासकीय आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात को आत्मीय भेंट बताते हुए कहा कि इस दौरान उत्तराखंड की नई फिल्म नीति, प्रदेश में फिल्म निर्माण की संभावनाओं और राज्य को देश के प्रमुख फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड अपनी नैसर्गिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनुकूल फिल्म नीति के चलते फिल्म निर्माताओं की पसंदीदा शूटिंग लोकेशन के रूप में उभर रहा है। प्रदेश में प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पर्वतीय क्षेत्र, आकर्षक पर्यटन स्थल और विविध सांस्कृतिक परंपराएं फिल्म निर्माण के लिए व्यापक संभावनाएं उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास उत्तराखंड को फिल्म निर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के साथ ही प्रदेश में शूटिंग की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे पर्यटन को नई पहचान मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों की भी गति मिल सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश की संभावनाओं का विस्तार होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने में भी मदद मिलेगी। राज्य सरकार उत्तराखंड को फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

## ऋषिकेश एम्स में भर्ती फर्जीवाड़ा : परीक्षा किसी और ने दी, नौकरी पाकर ड्यूटी पर चढ़ा दूसरा



कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एम्स ऋषिकेश में 17 अक्टूबर को CRE-3 भर्ती के तहत वायसमैन पद पर चयनित अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जा रहा था। इस दौरान अभ्यर्थी विकास कुमार मीणा के दस्तावेजों और पहचान-पत्रों

**ऋषिकेश, 18 अक्टूबर (नि०स०)।** ऋषिकेश एम्स (AIIMS) में भर्ती प्रक्रिया को चकमा देकर नौकरी हासिल करने के एक बड़े खेल का पर्दाफाश हुआ है। CRE-3 भर्ती प्रक्रिया के तहत आयोजित बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान एक ऐसे मुन्नाभाई को दबोचा गया है, जो फर्जी अभ्यर्थी बनकर जांच कराने पहुंचा था। हैरान करने वाली बात यह है कि परीक्षा किसी और ने दी और अस्पताल में बायरमैन के पद पर कार्यभार किसी दूसरे व्यक्ति ने ग्रहण कर लिया। पुलिस ने सहायक प्रशासनिक अधिकारी की तहरीर पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संगीन धाराओं में मामला दर्ज

का जब मिलान किया गया, तो अधिकारियों के होश उड़ गए। लिखित परीक्षा में शामिल होने वाले व्यक्ति की तस्वीर और एम्स में आकर जॉइनिंग करने वाले व्यक्ति की फोटो पूरी तरह अलग पाई गई। धोखाधड़ी की भनक लगते ही एम्स प्रशासन के सहायक प्रशासनिक अधिकारी विक्रम सिंह ने तत्काल एम्स पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई। ऋषिकेश पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए धारा 318(4), 319(2), 336(3), 337, 338, 340(2) और 61(2) BNS के तहत मुकदमा पंजीकृत किया। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस

**AIIMS में फर्जी तरीके से पाई नौकरी, बायोमेट्रिक चेकिंग ने खोला मुन्नाभाई का राज**  
**फर्जी दस्तावेजों के सहारे एम्स में जॉइनिंग, कोर्ट के आदेश पर आरोपी देहरादून जेल भेजा गया**

अधीक्षक देहरादून प्रमोद सिंह डोभाल के निर्देश पर गठित टीम ने साक्ष्य जुटाए और बायोमेट्रिक सत्यापन कराने पहुंचे फर्जी अभ्यर्थी अशोक कुमार मोणा (40 वर्ष), निवासी दौसा (राजस्थान) को 18 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने असली अभ्यर्थी के स्थान पर फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया था। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद देहरादून जेल भेज दिया गया है। फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड और एम्स में वायरमैन के पद पर कार्यभार ग्रहण करने वाला मूल अभ्यर्थी विकास कुमार मोणा घटना के बाद से ही फरार चल रहा है। कोतवाली ऋषिकेश के प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह बिष्ट की अगुवाई में पुलिस टीमों उसकी तलाश में राजस्थान और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का मानना है कि इस प्रकरण के तार किसी बड़े सात्वर्ग गैंग से जुड़े हो सकते हैं, जो प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिरूपण (Impersonation) और कृत्रिम दस्तावेजों के दम पर सरकारी नौकरियां हासिल कराने का सिंडिकेट चला रहा है।

**मनोनीत राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन पद्दे उतराखण्ड, 19 अक्टूबर को लेंगे राज्यपाल पद की शपथ**

देहरादून, 18 अक्टूबर ( नि०स० ) ।  
उत्तराखण्ड के मनोनीत राज्यपाल डॉ. ढाल  
सिंह बिसेन रविवार को सायंकाल  
उत्तराखण्ड पहुंचे । जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर  
उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा उन्हें ‘ गार्ड ऑफ

ऑनर' दिया गया। उन्होंने इस दौरान परेड का निरीक्षण भी किया। एयरपोर्ट पर कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल, मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक श्री दीपम सेठ, जिलाधिकारी

डॉ. आशीष चौहान आदि ने उनका स्वागत किया। लोक भवन आगमन पर मनोनीत राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन का सचिव श्री राज्यपाल श्री रविनाथ रामन, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल श्री के.के. शक्ल, सचिव

प्रोटोकॉल श्री विनोद कुमार सुमन,  
मंडलायुक्त गढ़वाल श्री आनंद स्वरूप,  
आईजी श्रीमती विष्मि सचदेवा रामन,  
अपर सचिव श्रीमती रीना जोशी सहित  
अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

**देहरादून (निःसं०) ।** भाजपा ने कांग्रेस की गैरसैन सत्र को लेकर घेराव की घोषणा को नकारात्मक राजनीति की किताब का एक और काला अध्याय जोड़ने की कोशिश बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कटाक्ष किया कि पूरे 5 साल कांग्रेस ने सदन के बाहर घेराव और अंदर हंगामे एवं जनमुद्दों पर सोने में ही किए बर्बाद। सत्रों की शुरुआत घेराव और अंत हंगामे से करने से बेहतर है कि विपक्ष वर्तमान अंतिम सत्र में सकारात्मक रुख के साथ प्रतिभाग करें। उन्होंने कांग्रेस कांग्रेस प्रभारी द्वारा गैरसैन में आयोजित होने वाले सत्र के घेराव और प्रदर्शन की घोषणा पर पूछे मीडिया सवालों का जवाब देते हुए इसे नकारात्मक और उद्देश्यहीन राजनीति का हिस्सा बताया। कांग्रेसी रुख की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, बेहद निराशा होती है ये जानकर कि विगत 5 सालों में भी कांग्रेस के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ। क्योंकि विधानसभा लोकतंत्र का वह सर्वोच्च सदन होता है जहां पर जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं और जनहित के मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। ऐसे अनेकों अवसर वर्तमान विधानसभा कार्यकाल में भी आए लेकिन अफसोस कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के गैरजिम्मेदाराना और असंवेदनशील रवैए में कोई बदलाव नहीं आया। शायद ही कोई अवसर रहा, जब सत्र की शुरुआत घेराव या प्रदर्शन से विपक्ष द्वारा नहीं की गई हो। दरअसल, विपक्ष के नेता और विधायक जनता के बीच नहीं रहते और सिर्फ राजनीति चमकाने के लिए हमेशा हंगामे के ऐसे अवसरों की तलाश में रहते हैं। वहीं पिछले 5 साल का इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि सदन के बाहर ही नहीं सदन के अंदर भी विपक्ष का पूरा ध्यान हंगामा करने में ही लगा रहा। जनता भी गवाह है कि विपक्षी विधायकों द्वारा न तो जनहित के मुद्दे उठाए जाते हैं और ना ही क्षेत्र की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाने का प्रयास वे करते हैं। उसके उलट यदि सत्ता पक्ष की विधायकों द्वारा या सरकार द्वारा किसी महत्वपूर्ण विषय, विधेयक या जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा की जाती हैं तो उसमें भी विपक्ष हंगामा और शोर शराबा कर हमेशा ध्यान भटकने और विषय को लटकाने की कोशिश में हमेशा लगा रहता दिखाई दिया। बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि कांग्रेस समेत विपक्ष के कई विधायकों को सदन में अक्सर अराजकता और हुड़दंग करते हुए भी देखा गया। इतना ही नहीं सदन के अंदर, दिन में हंगामा और रात को कंबल ओढ़ कर सोने का रिकॉर्ड भी उत्तराखंड के विपक्ष के नाम ही कायम हुआ। उन्होंने आग्रह किया कि प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए इस अंतिम सत्र को सफल और जनलाभकारी बनाना हम सबका नैतिक दायित्व है। लिहाजा पिछले पुराने अनुभव को भूलकर इस सत्र का अधिक से अधिक उपयोग जनहित में किया जाए उसको लेकर विपक्ष को अपनी घोषणा पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। वहीं तंज कसा कि अन्यथा ये तो पब्लिक है, ये सब जानती है, अंदर क्या है बाहर क्या है सब पहचानती है।

## राजनाथ सिंह की चेतावनी से तिलमिलाया पाकिस्तान, शीर्ष सैन्य कमांडर ने दी गीदड़भभकी

**नई दिल्ली ( आरएनएस )।** भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से सीमा पार आतंकवाद की किसी भी नई घटना पर पहले से ज्यादा आक्रामक जवाब देने की चेतावनी से पाकिस्तान तिलमिलाया है। इसी बेचैनी में उसके एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने गीदड़भभकी दी है। कहा है कि किसी भी मिसकैलकुलेशन (गलत अनुमान) का जवाब ऐसा होगा, जिसकी कल्पना सीमा पार नहीं की गई होगी। पाकिस्तान के इस बयान को राजनाथ सिंह की सख्त चेतावनी के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते बयानबाजी के तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रमुख पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की नेशनल स्ट्रेटैजिक कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आमेर रजा ने शनिवार को पाकिस्तान सैन्य अकादमी में पासिंग आउट परेड के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, परमाणु हथियारों से लैस क्षेत्र में युद्ध की कोई जगह नहीं है, और सेना का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाएं देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रजा ने कहा, किसी भी गलत आकलन का जवाब उनकी कल्पना से परे होगा। सैन्य अधिकारी ने पाकिस्तान के खिलाफ कथित शत्रुतापूर्ण इरादों और दुष्प्रचार का भी जिक्र किया। उनकी यह टिप्पणी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने गुरुवार को कहा था कि सीमा पार से आतंकवाद की कोई भी नई घटना होने पर भारत का जवाब पिछली कार्रवाई से भी बड़ा होगा। रक्षा मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए किसी भी नई चुनौती का कड़ा जवाब देने का संदेश दिया था। वहीं जियो न्यूज के मुताबिक कमांडर ने अपने खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार का भी जिक्र किया। उन्होंने भारत का नाम लिए बगैर कहा, विरोधी पक्ष पाकिस्तान के खिलाफ दुष्प्रचार और नैरेटिव वॉरफेयर के जरिए जनता तथा सशस्त्र बलों के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष गतिविधियों के जरिए अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। पाकिस्तानी कमांडर ने अपने संबोधन में देश की रक्षा तैयारियों और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया। हालांकि, उनके बयान में भारत की चेतावनी के जवाब में किसी विशिष्ट सैन्य कार्रवाई की घोषणा नहीं की गई। इससे एक दिन पहले, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने भी सिंह की टिप्पणियों को उकसावे वाली आधिपत्यवादी मानसिकता वाला करार दिया था। राजनाथ सिंह ने 15 अक्टूबर को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट हवाई हमले और सर्जिकल स्ट्राइक ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में बदलाव को दर्शाया है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत शांति चाहता है, लेकिन उसकी प्रतिबद्धता को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।

## लोकतंत्र में सरकार बदलना प्रक्रिया का हिस्सा : पी चिदंबरम

**नई दिल्ली ( आरएनएस )।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को



सरकार बदलना शब्द के इस्तेमाल का बचाव करते हुए इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और कहा कि चुनावों के जरिए सरकार को हटाना विपक्ष का काम है। यह तब हुआ जब विपक्षी नेताओं और छात्र कार्यकर्ता ने वोट चोरी को लेकर इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) और चीफ इलेक्शन कमिशनर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में चल रहे प्रदर्शन के बीच सरकार बदलना शब्द का इस्तेमाल किया। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि प्रोटेस्ट अब सरकार बदलने की लड़ाई में बदल गया है और इसे नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार बताया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की अध्यक्ष नेहा बोरा ने बांग्लादेश के जेन जी मूवमेंट की भी तारीफ की थी, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह भारत में युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करता है, जिससे भाजपा को गुस्सा आया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा रिजीम चेंज शब्द के इस्तेमाल पर दिखावटी गुस्से से क्यों भड़क रही है? लोकतंत्र में रिजीम चेंज नॉर्मल है।

उन्होंने कहा, विपक्ष का काम सरकार का विरोध करना, उसे बेनकाब करना और उसे हटाना है। इसका मतलब है राजनीति में विरोध करना, संसद में बेनकाब करना और चुनावों के जरिए उसे हटाना है। भाजपा ने इन बातों को इस बात का सबूत बताया है कि विरोध उनकी बताई गई मांगों से कहीं ज्यादा है और आरोप लगाया है कि भारत की इकॉनमी को अस्थिर करने के मकसद से एक बड़ा विवाद है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को कहा था, कांग्रेस, इंडी और कम होते पब्लिक सपोर्ट का सामना कर रही लेफ्ट पार्टियों को राजनीतिक सफलता की बहुत कम उम्मीद दिख रही है। नतीजतन, रिजीम चेंज जैसे शब्द, जिनका मतलब हिंसक संघर्ष, साजिश, या विदेशी ताकतों के साथ मिलकर सरकारों को गिराने की कोशिशों से है, भारतीय राजनीति में तेजी से सामने आ रहे हैं। हालांकि, प्रदर्शन करने वालों और विपक्षी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और वोटर लिस्ट में बदलाव में कथित गड़बड़ियों की आलोचना जारी रखी है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा ने कहा था कि सत्ताधारी भाजपा सत्ता पर अपनी पकड़ खोने से डरी हुई है और इसलिए शासन बदलने की मांग को देश-विरोधी और अराजक बताकर एक खास तरह की कहानी को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस शासन को बदलने के लिए गंभीर है और इसे वाकई बदला जाएगा।

## हूती विद्रोहियों से निपटने के लिए इजरायल की मदद ले रियाद, ट्रंप ने सऊदी अरब को दी सलाह

वाशिंगटन । मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों से निपटने के लिए इजरायल की मदद लेने की सलाह दी है। ट्रंप ने कहा कि इजरायल सऊदी अरब के लिए काफी मददगार साबित हुआ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सऊदी अरब भविष्य में अब्राहम समझौते में शामिल हो सकता है। उनके इस बयान को इजरायल और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध सामान्य बनाने की कोशिशों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों के खिलाफ इजरायल की ओर से दिए गए सहयोग के प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए। इस पर उन्होंने सहमत जताते हुए इजरायल की सहायता को सऊदी अरब के लिए लाभकारी बताया। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अब्राहम समझौते में सऊदी अरब की भागीदारी की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

वर्ष 2020 में शुरू हुए अब्राहम समझौतों का उद्देश्य इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक संबंधों को सामान्य बनाना था। ट्रंप ने सऊदी अरब के इस समझौते में शामिल होने को लेकर बातचीत दोबारा शुरू होने के सवाल पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि समझौते में सऊदी अरब की भागीदारी की संभावना शायद पहले से कहीं अधिक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में से एक बताया।

हालांकि, इजरायल के साथ संबंध सामान्य बनाने को लेकर सऊदी अरब ने लंबे समय से एक महत्वपूर्ण शर्त रखी है। रियाद का कहना है कि फिलिस्तीनी राष्ट्र के गठन की दिशा में स्पष्ट और विश्वसनीय रास्ता तय किए बिना इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती।

गौरतलब है कि 7 अक्टूबर 2023



को हमारा हमले से पहले इजरायल और सऊदी अरब के बीच संबंध सामान्य बनाने को लेकर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी थी। लेकिन हमारा हमले और उसके बाद गाजा में शुरू हुए युद्ध ने क्षेत्रीय परिस्थितियों को बदल दिया। फिलिस्तीनी मुद्दा भी दोनों देशों के बीच संभावित समझौते की दिशा में एक प्रमुख विषय बना हुआ है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी मध्य पूर्व में अपने देश की भूमिका को लेकर बयान दिया है। मंगलवार को इजरायली मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में उनसे पूछा गया कि क्या सऊदी अरब ने इजरायल से सहायता मांगी है।

रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने कहा कि मध्य पूर्व में शायद ही कोई ऐसा देश होगा, जो इजरायल से मदद नहीं मांग रहा हो।

हालांकि, उनके बयान से यह स्पष्ट नहीं हुआ कि सऊदी अरब ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी विशेष सैन्य सहायता के लिए औपचारिक अनुरोध किया है या नहीं। ऐसे में सऊदी अरब और इजरायल के बीच संभावित सहयोग की वास्तविक स्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आना बाकी है।

इस बीच, ईरान ने सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों में अपनी

भूमिका होने के आरोपों को खारिज कर दिया है। ईरान के सरकारी प्रसारक की रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान ने विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने में मदद करने की इच्छा भी जताई है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि यदि सभी संबंधित पक्ष अनुरोध करते हैं, तो ईरान तनाव कम करने और संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों के अनुभव से स्पष्ट है कि विदेशी हस्तक्षेप और नाकेबंदी से यमन की समस्या का समाधान नहीं निकल सकता।

बघाई के मुताबिक, यमन के लोगों ने ब्रिटेन और अमेरिका की ओर से लागू की गई नाकेबंदी का लंबे समय तक सामना किया है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों से मौजूदा तनाव समाप्त करने के लिए प्रयास करने की अपील की।

मध्य पूर्व में हूती विद्रोहियों, सऊदी अरब, इजरायल और ईरान से जुड़े घटनाक्रम के बीच ट्रंप का बयान क्षेत्रीय सुरक्षा और राजनयिक संबंधों को लेकर नई चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि, सऊदी अरब की ओर से इजरायल के साथ संभावित सहयोग और अब्राहम समझौते में शामिल होने को लेकर अंतिम रुख स्पष्ट होना अभी बाकी है।

## अखिलेश और राहुल गांधी पर ओपी राजभर का तंज, कहा-अगर गड़बड़ियां हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए



**लखनऊ ( आरएनएस )।** उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर हमला बोला। उन्होंने अभिजीत दिपके को हिरासत में लिए जाने सहित कई मामलों पर प्रतिक्रिया दी। आईएनएस से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के बयान पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, वे सही कह रहे हैं। जिस तरह अखिलेश यादव दूसरों की कही बातों पर चलते रहते हैं और अपने ही बयानों पर कायम नहीं रहते, राहुल गांधी भी बिल्कुल वैसा ही करते हैं। वे गैर-जिम्मेदाराना तरीके

से काम करते हैं और उनके सभी कदम देश के खिलाफ होते हैं। राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा, राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने हमेशा संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। वे उसी चुनाव आयोग के तहत सांसद बने, जिसकी वे अब आलोचना कर रहे हैं। अगर उनका दावा है कि गड़बड़ियां हो रही हैं और वोट चुराए जा रहे हैं, तो उन्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि वे भी इसी व्यवस्था के तहत चुनाव जीते थे। हालांकि, वे इस्तीफा देने की बात से पीछे हट रहे हैं।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके को लेकर ओमप्रकाश राजभर ने कहा, अगर कोई बिना अनुमति काम करेगा तो कानून अपना काम करता है। बिना अनुमति के कोई भी यात्रा या जुलूस निकाला जाएगा तो पुलिस गिरफ्तार करेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से राहुल गांधी पर छात्रों को भड़काने का आरोप लगाए जाने के सवाल पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, जिसकी उम्र 25 वर्ष से ज्यादा है, उसको पता है कि क्या काम हो रहा है और जिनकी उम्र 25 वर्ष से कम है, उनको उकसाकर ये (विपक्ष) लोग माहौल खड़ा करना चाहते हैं।



## सम्पादकीय

### आतंकवाद विरोधी मुहिम

उचित ही इसे असहज करने वाली रवायत का हिस्सा बताया गया है, जिसमें भारत विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू-राजनीतिक दबाव में हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को अपने यहां से जाने देता है। म्यांमार से मणिपुर में घुस कर उग्रवादियों ने चार नगा नागरिकों की हत्या कर दी। इस घटना से मणिपुर में जारी हिंसा के साथ सीमा पार का पहलू जुड़े होने की फिर पुष्टि हुई है। ये वारदात उस समय हुई, जब अमेरिकी एजेंट मैथ्यू वॉनडाइक और छह यूक्रेनी ड्रोन विशेषज्ञों को भारत से बाहर जाने देने की इजाजत मिल गई है। इन सभी को इस वर्ष मार्च में संदिग्ध स्थितियों में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि ये सभी मणिपुर के रास्ते म्यांमार गए। इस मामले को भारत म्यांमार सीमा पर उग्रवादी गतिविधियों और विदेशी हस्तक्षेप की शिकायत से जोड़ कर देखा गया। वॉनडाइक अमेरिकी भाड़े का सैनिक है, जो सन्स ऑफ लिबर्टी इंटरनेशनल नामक विवादास्पद संस्था से जुड़ा है। लीबिया, सीरिया, इराक, और अफगानिस्तान जैसे युद्ध क्षेत्रों में उसकी भूमिका विवादास्पद रही है। भारत में भी पहले उस पर आतंकवाद से जुड़ी धारा लगाई गई, लेकिन चार्जशीट पेश करते वक्त यूएपीए हटा दिया गया। विपक्ष एवं कई सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस पर कड़ा एतराज जताया था। उनका इल्जाम है कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के हस्तक्षेप के कारण भारत सरकार ने इन लोगों पर नरमी बरती। बीते मई मे भारत यात्रा के समय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी ये मामला उठाया था। विश्लेषकों ने उचित ही इस कांड को उस लंबी और असहज करने वाली रवायत का हिस्सा माना है, जिसमें भारत अपने सख्त कानूनों का हवाला तो देता है, और विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू-राजनीतिक दबाव पड़ते ही हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को दंडित करने से पीछे हट जाता है। खुद भारतीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक वॉनडाइक का गुट बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा है, जो तस्करी कर ड्रॉन्स भारत लाता था और फिर उन्हें म्यांमार भेजता था। इसके पहले भोपाल गैस लीक कांड में यूनियन कारबाइड के चेयरमैन वॉरेन एंडरसन, पुरुलिया में हथियार गिराने के आरोपियों, और केरल में भारतीय मछुआरों के हत्यारे इटली के दो नौसैनिकों के प्रति भी ऐसी नरमी बरती गई थी। ये तमाम घटनाएं भारतीय राज्य के सॉफ्ट (कमजोर) बने रहने की दुर्भाग्यपूर्ण मिसाल हैं।

### जागृति’ की ज्योति में निरंकारी संत समागम की तैयारियाँ अंतिम चरण में



देहरादून (नि०स०)। जहाँ ब्रह्मज्ञान से चेतना जागृत हो, प्रेम से हृदय आलोकित हो और सेवा जीवन का संकल्प बन जाए वहीं संत समागम आत्मिक जागृति का ऐसा पावन उत्सव बन जाता है, जो मनुष्य को अपने

भीतर झाँकने और परमात्मा से जुड़ने की प्रेरणा देता है। इसी दिव्य भाव और आध्यात्मिक चेतना को साकार करते हुए, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 23 से 26 अक्टूबर, 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में आयोजित होने जा रहा है। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर एकत्र होकर सत्संग, सेवा, प्रेम और भक्ति के इस दिव्य मिलन में सहभागी बनेंगे। श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता के साथ समागम स्थल की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं। संतों की निस्वार्थ सेवा, परिश्रम और समर्पण से सामान्य सा प्रतीत होने वाला मैदान आज एक दिव्य आध्यात्मिक नगरी का स्वरूप धारण कर चुका है। विशाल पंडालों में श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ की गई हैं। साथ ही, अत्याधुनिक एल.ई.डी. स्क्रीन स्थापित की जा रही हैं, ताकि परिसर के प्रत्येक कोने में बैठे श्रद्धालु प्रेरणादायक प्रवचनों, भावपूर्ण भजनों एवं आध्यात्मिक विचारों को सहजता से देख-सुन सकें और सत्संग की भावधारा से एकरूप हो सकें। यह संत समागम केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि ब्रह्मज्ञान, भक्ति, समर्पण और आत्मिक जागृति का पावन संगम है। यहाँ श्रद्धालु अपनी अंतर्चेतना को जागृत करने, परमात्मा से अपने संबंध को अनुभव करने तथा विश्वबंधुत्व, सौहार्द और निस्वार्थ सेवा जैसे मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। संत समागम की यही भावना मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों से आगे बढ़कर अपने भीतर की समृद्धि को पहचानने का अवसर प्रदान करती है। समागम की भव्यता में श्रद्धालु भक्तों द्वारा निर्मित मुख्य स्वागत द्वार विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अपनी अनुपम कलात्मकता और भव्य स्वरूप के साथ यह द्वार समागम की आध्यात्मिक गरिमा को अभिव्यक्त करता है। यह केवल एक स्वागत संरचना नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, सृजनशीलता और सामूहिक श्रद्धा की साकार अभिव्यक्ति है। श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता के साथ इसका स्वरूप भी निरंतर विस्तार और भव्यता प्राप्त करता जा रहा है। इसकी दिव्य आभा मानो प्रत्येक आगंतुक का प्रेम, अपनत्व और समभाव के साथ हार्दिक अभिन्नंदन करते हुए संत समागम के मानवीय संदेश को प्रदर्शित कर रही है।

## देवी की पूजा और स्त्री की दुर्दशा!

डॉ घनश्याम बादल

नवरात्र चल रहे हैं। मंदिरों में घंटाध्वनि हैं, घरों में दुर्गा सप्तशती पाठ हो रहे हैं, कन्याओं के पांव पखारे जा रहे हैं और मंचों से नारी शक्ति के जयकारे लग रहे हैं। देवी के नौ रूपों का महिमा का बखान तो ठीक है लेकिन देश में स्त्री की अस्मिता, सुरक्षा और सम्मान के सवाल पर समाज की धीमी धीमी आवाज बड़े सवाल खड़े करती है।

एक तरफ देवी के सामने सिर झुकाने की होड़ है, दूसरी तरफ जीवित स्त्री को झुकाने, दबाने और चुप कराने का सिलसिला जारी है। सवाल है कि हम शक्ति की आराधना कर रहे हैं या अपने पाखंड को धार्मिक आवरण पहना रहे हैं?

उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्य से जुड़ी वैवाहिक शिकायतों की खबरें इस विरोधाभास को और तीखा बनाती हैं। यदि सत्ता में बैठी एक महिला को भी अपने वैवाहिक संबंध में कथित शोषण, उत्पीड़न और धोखे के आरोप लेकर शिकायत दर्ज कराने की ज़रूरत पड़ती है, तो आम स्त्री की मुश्किलों का अनुमान लगाना कठिन नहीं। इन आरोपों की सच्चाई का फैसला जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होना चाहिए; लेकिन शिकायत का सामने आना ही उस सामाजिक व्यवस्था पर सवाल उठाता है, जिसमें विवाह को स्त्री के लिए सुरक्षा का प्रमाणपत्र मान लिया जाता है और उसके भीतर होने वाले कथित अन्याय को अक्सर घर की चारदीवारी में दफन कर देने की सलाह दी जाती है।

पद, प्रतिष्ठा और राजनीतिक रसूख किसी महिला को हर परिस्थिति में सुरक्षित नहीं बना सकते, तो उस स्त्री की स्थिति क्या होगी जिसके पास न प्रभाव है, न पैसा और न ही अपनी बात सुने जाने का भरोसा? उसके लिए न्याय की राह कितनी लंबी और अकेली होगी?

विडंबना देखिए कि जिस समय नवरात्र में कन्या पूजन के लिए छोटी बच्चियों को खोजा जाता है, उसी समाज में बच्चियों के यौन शोषण की खबरें हमें बार-बार शर्मसार करती हैं। जिस कन्या को देवी का रूप कहकर भोजन कराया जाता है, उसके लिए घर, स्कूल, सड़क और सार्वजनिक स्थान कितने सुरक्षित हैं? पूजा के दिन उसके पांव धोने वाले हाथ क्या शेष दिनों में उसकी स्वतंत्रता और इच्छा का सम्मान करते हैं? यदि बच्ची को अपनी ही दुनिया में भय के साथ जीना पड़े, तो कन्या पूजन की पवित्रता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

स्त्री के प्रति अपराधों की चर्चा करते समय आंकड़ों की शुद्धता भी ज़रूरी है।

किसी अपराध के बढ़ने या घटने का दावा प्रमाणित आंकड़ों से होना चाहिए। लेकिन आंकड़ों की बहस से वह सच्चाई नहीं मिलती कि यौन हिंसा, घरेलू उत्पीड़न, पीछा करना, सार्वजनिक अपमान और महिलाओं की आवाज दबाने की घटनाएं समाज के सामने गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। दर्ज मामलों की संख्या पूरी तस्वीर नहीं बताती; बदनामी, परिवार का दबाव, आर्थिक निर्भरता और पुलिस-न्याय व्यवस्था की लंबी प्रक्रिया अनेक महिलाओं को शिकायत करने से भी रोकती है।

और यह समस्या केवल घरों तक सीमित नहीं है। जन आंदोलनों में महिला पत्रकारों और आंदोलनकारी महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार, धक्का-मुक्की, मारपीट या दमन की तस्वीरें सामने आती हैं, तो लोकतंत्र का दावा भी कठघरे में खड़ा होता है। किसी आंदोलन से असहमति हो सकती है, उसकी मांगें अनुचित भी हो सकती हैं, लेकिन क्या इससे महिला पत्रकार के काम करने के अधिकार या प्रदर्शनकारी महिला की गरिमा को कुचलने का लाइसेंस मिल जाता है? कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, अपमानित करना नहीं। वर्दी की ताकत का अर्थ नागरिक की आवाज दबाना नहीं, उसके अधिकारों की रक्षा करना है।

महिला की स्वतंत्रता का सवाल सत्ता और विपक्ष, दोनों की परीक्षा लेता है। विपक्ष में रहते हुए महिलाओं के सम्मान की दुहाई देना आसान है; सत्ता में आने पर उसी कसौटी पर खरा उतरना कठिन। किसी एक दल, विचारधारा या समुदाय को स्त्री के प्रति समूचे अन्याय का ठेकेदार बताकर बाकी समाज को निर्दोष नहीं ठहराया जा सकता। स्त्री के प्रति भेदभाव की जड़ें परिवार, परंपरा, राजनीति, बाजार और संस्थाओं तक फैली हैं। कहीं उसे परिवार की इज्जत के नाम पर बांधा जाता है, कहीं संस्कृति की रक्षा के नाम पर उसकी पसंद पर पहरा बैठाया जाता है और कहीं उसकी पीड़ा को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाता है।

इसी पृष्ठभूमि में मेरठ का चर्चित नीले ड्रम वाला हत्याकांड भयावह सवालों के साथ सामने आता है। इस मामले में दो अभियुक्तों को फांसी की सजा सुनाए जाने की खबर ने अपराध की क्रूरता और न्याय की ज़रूरत पर ध्यान खींचा है। ऐसे मामलों में कठोर दंड की मांग स्वाभाविक है, लेकिन यह भी याद रखना होगा कि किसी अपराध के बाद मृत्युदंड सुना दिया जाना अपने आप में महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी नहीं बन

जाता। न्यायिक फैसले का सम्मान अपनी जगह है; उससे आगे अपराध रोकने की सामाजिक और संस्थागत जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। अपराध होने के बाद सजा देना न्याय है, मगर अपराध होने से पहले किसी को सुरक्षित रखना शासन और समाज की असली परीक्षा है।

हमारी समस्या यह भी है कि किसी जघन्य घटना पर कुछ दिनों तक आक्रोश उबलता है, टीवी पर बहसें होती हैं, सोशल मीडिया पर नारे चलते हैं और फिर अगली सनसनी पुरानी पीड़ा को ढक देती है। पीड़िता का नाम, चेहरा और दुख चर्चा का विषय बन जाता है, लेकिन उन परिस्थितियों पर गंभीर विचार नहीं होता जो हिंसा को जन्म देती हैं। अपराधी को फांसी देने की मांग करने वाला समाज अपने घर में बेटे को स्त्री के प्रति सम्मान सिखाने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। कानून का भय आवश्यक है, पर संस्कार का अर्थ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं; वह दूसरे मनुष्य की स्वतंत्रता और गरिमा को स्वीकार करना है।

नवरात्र का मूल संदेश शक्ति की उपासना है। दुर्गा का रूप अन्याय के सामने प्रतिरोध का प्रतीक है, महिषासुर-वध अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का रूपक है और स्त्री के भीतर शक्ति देखने की परंपरा उसे कमजोर मानने की मानसिकता को चुनौती देती है। फिर भी विडंबना यह है कि देवी को सर्वशक्तिमान मानने वाला समाज अपनी बेटी को अक्सर निर्णय लेने में अक्षम समझता है। दुर्गा की तलवार की आराधना होती है, लेकिन स्त्री के आत्मसम्मान की आवाज उठे तो उसे परिवार तोड़ने वाली, संस्कारहीन या विद्रोही कह दिया जाता है। देवी को शक्ति का अधिकार है, स्त्री को क्यों नहीं?

धर्म का मूल्य कर्म से तय होता है, कर्मकांड की भव्यता से नहीं। यदि नवरात्र के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करें, लेकिन वर्ष के बाकी दिनों में स्त्री की इच्छा, सहमति, शिक्षा, संपत्ति, रोजगार और स्वतंत्र निर्णय के अधिकारों की उपेक्षा करें, तो हमारी भक्ति अधूरी ही नहीं, आत्मवंचना भी है। कन्या पूजन का सबसे बड़ा अर्थ किसी बच्ची के पांव धोना नहीं, यह सुनिश्चित करना है कि उसके सपनों पर पहरा न हो, उसके शरीर पर उसकी सहमति के बिना कोई अधिकार न जमाए और अन्याय होने पर उसे चुप रहने के लिए मजबूर न किया जाए।

### रामलीला मंच से गूँजा नशा उन्मूलन, साइबर अपराध एवं महिला-बाल सुरक्षा का संदेश

उत्तरकाशी (नि०स०)। (नि०स०)। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा समाज में नशा उन्मूलन, साइबर अपराधों की रोकथाम तथा महिला एवं बाल सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निरंतर जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस की टीम द्वारा कल 17 अक्टूबर 2026 को उत्तरकाशी रामलीला मैदान में आयोजित आदर्श रामलीला के दौरान जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गणमान्य नागरिकों को विभिन्न सामाजिक एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान उपनिरीक्षक श्री जगत सिंह एवं उपनिरीक्षक श्रीमती निर्मल भट्ट ने रामलीला मंच एवं पंडाल में उपस्थित लोगों को नशे के दुष्परिणामों, साइबर अपराधों से बचाव तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयाँ दीं। पुलिस ने नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि नशे की लत युवाओं के भविष्य, स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। आमजन से नशे के विरुद्ध एकजुट होकर जनसहभागिता निभाने, युवाओं को जागरूक करने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई।

साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव

उपस्थित लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल एवं मैसेज, फिशिंग तथा संदिग्ध लिंक के माध्यम से होने वाली साइबर धोखाधड़ी के प्रति सतर्क किया गया। ATM PIN, CVV, OTP एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के भी साथ साझा न करने तथा अनजान क्लिकोड, APK फाइल और संदिग्ध ऐप डाउनलोड/क्लिक करने से बचने की अपील की। फर्जी अधिकारी बनकर डराने एवं कार्रवाई का भय दिखाने वाली कॉल के माध्यम से किए जाने वाले ‘डिजिटल अरेस्ट’ जैसे साइबर फ्रॉड के प्रति सचेत किया गया।

## महेंद्र नेगी बने जिला पंचायत संगठन चमोली के अध्यक्ष, सर्वसम्मति से मिली जिम्मेदारी

**चमोली ( प्रदीप लखेड़ा )।** भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता एवं मटई वार्ड से जिला पंचायत सदस्य महेंद्र नेगी को जिला पंचायत संगठन, जनपद चमोली का अध्यक्ष सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। उनके अध्यक्ष बनने पर जिला पंचायत सदस्यों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत विष्ट सहित समस्त जिला पंचायत सदस्य मौजूद रहे। सभी ने एकजुटता और आपसी विश्वास के साथ महेंद्र नेगी को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण खत्री ने महेंद्र नेगी को अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एकजुटता, आपसी विश्वास और सर्वसम्मति से महेंद्र नेगी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि महेंद्र नेगी अपने युवा जोश, कुशल नेतृत्व, सरल स्वभाव और संगठनात्मक क्षमता से जिला पंचायत संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगे। साथ ही जनपद चमोली के सभी जिला पंचायत सदस्यों की आवाज को मजबूती से उठाते हुए क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को नई गति देंगे।

## राकेश राणा बने संगठनात्मक जनपद नरेंद्रनगर-देवप्रयाग के प्रभारी

**नई टिहरी ( नि॰स॰ )।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल के पूर्व अध्यक्ष राकेश राणा को प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने संगठनात्मक जनपद नरेंद्रनगर-देवप्रयाग का प्रभारी नियुक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गणेश गोदियाल द्वारा जारी नियुक्ति सूची के अनुसार, प्रदेशभर में विभिन्न संगठनात्मक जनपदों के लिए प्रभारी तथा विधानसभा क्षेत्रों के लिए सह-प्रभारियों की नियुक्तियाँ की गई हैं। राकेश राणा की नियुक्ति से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। संगठन में लगभग तीन दशकों का अनुभव रखने वाले राणा ने छत्र राजनीति से लेकर जिला एवं प्रदेश स्तर तक विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से नरेंद्रनगर एवं देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी नरेंद्रनगर-देवप्रयाग के अध्यक्ष श्री उत्तम सिंह असवाल ने इस नियुक्ति के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राकेश राणा का लंबा संगठनात्मक अनुभव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। उनके मार्गदर्शन में दोनों विधानसभा क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

## आपकी जरूरतों के हिसाब से लगातार बेहतर बन रहा है एआईप्लस स्मार्टफोन

**हरिद्वार ( नि॰स॰ )।** एआईप्लस स्मार्टफोन ग्राहकों के सुझावों और उनके फोन इस्तेमाल करने के अनुभवों के आधार पर अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेस में लगातार सुधार कर रहा है। ग्राहकों के रिव्यू, रोजाना फोन इस्तेमाल करने के तरीके और आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के दौरान मिली जानकारी के आधार पर कंपनी कैमरे की स्थिरता, कनेक्टिविटी और परफॉर्मेंस से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट, बेहतर टेस्टिंग और कस्टमर सपोर्ट में सुधार कर रही है। कंपनी का उद्देश्य सिर्फ ग्राहकों के लिए प्रोडक्ट बनाना नहीं, बल्कि उनके सुझावों के साथ मिलकर बेहतर अनुभव प्रदान करना है। एआईप्लस स्मार्टफोन के अलग-अलग मॉडल्स को उनके डिजाइन, कैमरा, बैटरी, परफॉर्मेंस और कीमत के लिए ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। नोवा 2 नियो 5जी को बैटरी परफॉर्मेंस और किफायती कीमत के लिए पसंद किया गया है, जबकि नोवा 2 पॉवर 5जी को उसके ओवरऑल अनुभव और ड्यूल-टोन डिजाइन, खासकर ब्लू फ्यूजन कलर के लिए सराहना मिली है। नोवा 2 अल्ट्रा 5जी को फोटोग्राफी, परफॉर्मेंस और एमोलेड डिस्प्ले के लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसी तरह, नोवा 2 5जी और नोवा 2 प्रो 5जी को उनके ओवरऑल अनुभव और वैल्यू फॉर मनी के लिए पसंद किया गया है, जबकि एआईप्लस पल्स 2 को बैटरी, डिस्प्ले और डिजाइन के लिए सराहा गया है।

## क्लेमेंट टाउन में चोरी का 24 घंटे में खुलासा, नशे के आदी आरोपी से शत-प्रतिशत माल बरामद

**देहरादून ( नि॰स॰ )।** क्लेमेंट टाउन थाना क्षेत्र में बंद मकान में चोरी की घटना का दून पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया शत-प्रतिशत सामान बरामद कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, 16 अक्टूबर को हरपाल सिंह ठाकुर निवासी सी-13, टर्नर रोड, क्लेमेंट टाउन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके मकान मालिक के बंद मकान में अज्ञात चोर ने घुसकर इनवर्टर, बैटरी, गीजर, स्टेबलाइजर, पानी की टोटियां और बाथरूम मिक्सर चोरी कर लिया। इस दौरान मकान में तोड़फोड़ भी की गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

**सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना से मिली सफलता**  
घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी देहरादून के निर्देश पर थानाध्यक्ष क्लेमेंट टाउन के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस ने संदिग्धों की जानकारी जुटाई और पूर्व में चोरी के मामलों में जेल जा चुके आरोपियों का सत्यापन भी किया। जांच के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने 17 अक्टूबर को आशरोड़ी जंगल के पास एक खंडहर से मोहम्मद अंसार (29) पुत्र मोहम्मद आदिल को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी का पूरा सामान बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है। नशे की जरूरत पूरी करने के लिए उसके पास पैसे नहीं थे, जिसके चलते उसने रात के समय बंद मकान को निशाना बनाया। आरोपी टर्नर रोड, क्लेमेंट टाउन का निवासी है।

## नारायणबगड़ पीएचसी को सीएचसी बनाने की मांग तेज, बाजार में रैली निकालकर किया प्रदर्शन; आंदोलन रहेगा जारी

**चमोली ( प्रदीप लखेड़ा )।** चमोली जिले के विकासखंड नारायणबगड़ में बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) को उच्चीकृत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बनाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों का आंदोलन तेज हो गया है। मांग को लेकर आज 7 वें दिन जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने धरना स्थल से मुख्य बाजार तक रैली निकाली। इसके बाद मुख्य बाजार से परखाल पुल तक प्रदर्शन करते हुए शासन-प्रशासन व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के नेता, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नारायणबगड़ क्षेत्र की बड़ी आबादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर है। अस्पताल में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को उपचार के लिए दूसरे स्थानों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उच्चीकृत किया जाना क्षेत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस संबंध में आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उपजिलाधिकारी थराली के माध्यम से ज्ञापन भेजकर अस्पताल को उच्चीकृत करने की मांग की है। उन्होंने सरकार से क्षेत्र की स्वास्थ्य समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाने की अपील की। क्षेत्र पंचायत सदस्य नीरज नेगी और विपिन परिहार ने कहा कि नारायणबगड़ क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से क्षेत्रवासियों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक सरकार का कोई प्रतिनिधि मौके पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से बातचीत नहीं करता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान एसीएमओ ने भी आंदोलनकारियों से बातचीत की। हालांकि, एसीएमओ की ओर से दिए गए बयान और बातचीत के दौरान सामने आए आश्वासन का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं हो पाया है।

प्रदर्शन में जिला पंचायत सदस्य प्रदीप बुटोला, जिला पंचायत सदस्य सुरी कनेरी, जिला पंचायत सदस्य साक्षी नेगी, ज्येष्ठ उप प्रमुख देवराज रावत, उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के नेता मोहन राम आर्या और प्रकाश राम तथा विक्रम राम महर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। क्षेत्रवासियों ने सरकार से मांग की है कि नारायणबगड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सीएचसी के रूप में उच्चीकृत करने की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकें।

## चतुर्थ केदार श्री रुद्रनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए विधि-विधान से बंद



**चमोली ( प्रदीप लखेड़ा ।** हिमालय की दिव्य वादियों में स्थित चतुर्थ केदार श्री रुद्रनाथ मंदिर के कपाट शनिवार को शीतकाल के लिए विधि-विधान के साथ बंद कर दिए गए। इस पावन अवसर पर भगवान रुद्रनाथ के दर्शनों के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के जयकारों से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। शनिवार को मंदिर में भगवान रुद्रनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की गई। पंडित आचार्य हरीश भट्ट द्वारा भगवान का अभिषेक एवं श्रृंगार पूजा संपन्न कराई गई, वहीं मंदिर में रुद्री पाठ का आयोजन भी किया गया। शाम 5 बजे से शुरू हुई कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। सभी धार्मिक परंपराओं और विधि-विधानों के पालन के बाद रात करीब 8 बजे मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के बाद भगवान रुद्रनाथ की डोली की शीतकालीन यात्रा शुरू होगी। 18 अक्टूबर को डोली ज्वाला मंदिर, देवलधार में रात्रि प्रवास करेगी, जबकि 19 अक्टूबर को भगवान की डोली गोपेश्वर स्थित अपने शीतकालीन गद्दीस्थल श्री गोपीनाथ मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद आगामी छह माह तक भगवान रुद्रनाथ की पूजा-अर्चना श्री गोपीनाथ मंदिर में संपन्न होगी।

## टिहरी मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर आंदोलन जारी

नई टिहरी। टिहरी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग को लेकर टिहरी मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन धरना आज 48वें दिन भी जारी रहा। वहीं, वरिष्ठ सत्याग्रही श्री जीतराम भट्ट का सत्याग्रह 78वें दिन भी निरंतर जारी है।।ज क्रमिक अनशन पर टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष टीकम सिंह चौहान एवं दिनेश भट्ट बैठे। आंदोलन को समर्थन देने के लिए सत्याग्रह स्थल पर जीतराम भट्ट, कमल

सिंह मेहर, त्रिलोकचंद रमोला, चंदन सिंह रावत, किशोरी लाल चमोली, लक्ष्मण सिंह रावत, भरत सिंह रावत, अब्दुल मारूफ, अनुसूया नौटियाल, राकेश राणा, देवेंद्र नौटियाल, संदीप रावत राहुल बुटोला, शोभन सिंह पवार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

**टिहरी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना पर सरकार तत्काल कार्रवाई करे: राकेश राणा**

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राकेश राणा तथा राज्य आंदोलनकारी श्री देवेंद्र नौटियाल ने कहा कि टिहरी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना जनभावनाओं, क्षेत्र की जरूरतों और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सरकार को बिना किसी भेदभाव के मेडिकल कॉलेज की स्थापना की दिशा में ठोस और समयबद्ध कार्रवाई करनी चाहिए।

## नवरात्रि पर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस का बड़ा ऐलान: वित्त वर्ष 2027 तक 20,000 महिला एडवाइजर जोड़ेगी कंपनी

**हल्द्वानी ( नि॰स॰ )।** नवरात्रि के अवसर पर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी ‘नारीशक्ति’ पहल के तहत वित्त वर्ष 2027 के अंत तक देशभर में 20,000 महिला एडवाइजर जोड़ने की योजना की घोषणा की है। 30 सितंबर, 2026 तक कंपनी से 78,000 से अधिक महिला एडवाइजर जुड़ी थीं, जिनका कंपनी के एजेंसी कारोबार में 45 प्रतिशत योगदान है। यह घोषणा कंपनी की ‘नारीशक्ति’ पहल के दो साल पूरे होने के अवसर पर की गई है। कंपनी के एजेंसी कारोबार में महिला एडवाइजर की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत, 30 सितंबर, 2026 तक कंपनी से जुड़ी 78,000 से अधिक महिला एडवाइजर, 30 सितंबर, 2026 तक 500 से अधिक महिला एडवाइजर ने एमडीआरटी के लिए किया क्वालिफाई। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमीश बैंकर ने कहा, आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस में हमारा दृढ़ विश्वास है कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। जहां हम अपने पुरुष बीमा एडवाइजर के प्रदर्शन में लगातार सुधार देख रहे हैं, वहीं हमारी महिला एडवाइजर भी ग्राहकों की जरूरतों को समझने और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी मेहनत कर रही हैं।

## पौड़ी में भाजपा को बड़ा झटका, पूर्व विधायक यशपाल बेनाम ने छोड़ी पार्टी

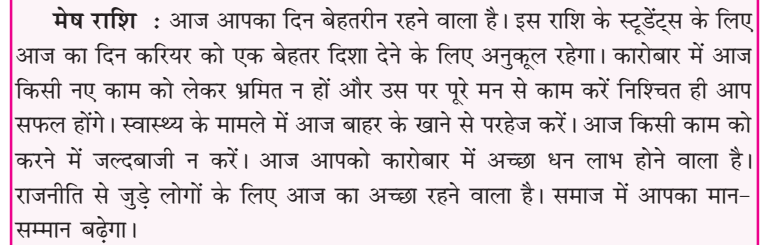
**पौड़ी ( नि॰स॰ )।** उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पौड़ी जिले में बड़ा झटका लगा है। पूर्व विधायक और पौड़ी के पूर्व पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। करीब आठ साल तक पार्टी में रहने के बाद उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए यह फैसला लिया। उनके इस्तीफे से जिले की सियासत में हलचल तेज हो गई है। यशपाल बेनाम ने अपने त्यागपत्र में व्यक्तिगत कारणों का उल्लेख करते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने अभी तक अपने अगले राजनीतिक कदम को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की

है। ऐसे में उनके भविष्य की राजनीतिक रणनीति को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यशपाल बेनाम पौड़ी की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। वर्ष 2007 में वह विधायक निर्वाचित हुए थे। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भी उन्होंने अपनी राजनीतिक ताकत का अहसास कराया। पौड़ी नगर पालिका की राजनीति में भी उनका प्रभाव रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह दो बार निर्दलीय और एक बार भाजपा के टिकट पर पालिकाध्यक्ष चुने गए।



भाजपा से उनके इस्तीफे के बाद पौड़ी की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावनाओं पर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बेनाम किसी अन्य राजनीतिक दल का दामन थामेंगे या स्वतंत्र रूप से अपनी राजनीतिक भूमिका तय करेंगे। उनके अगले कदम पर राजनीतिक हलकों की निगाहें टिकी हैं। आने वाले दिनों में उनका फैसला पौड़ी की स्थानीय राजनीति को किस तरह प्रभावित करेगा, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

# आपका राशिफल



**मीन राशि :** आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

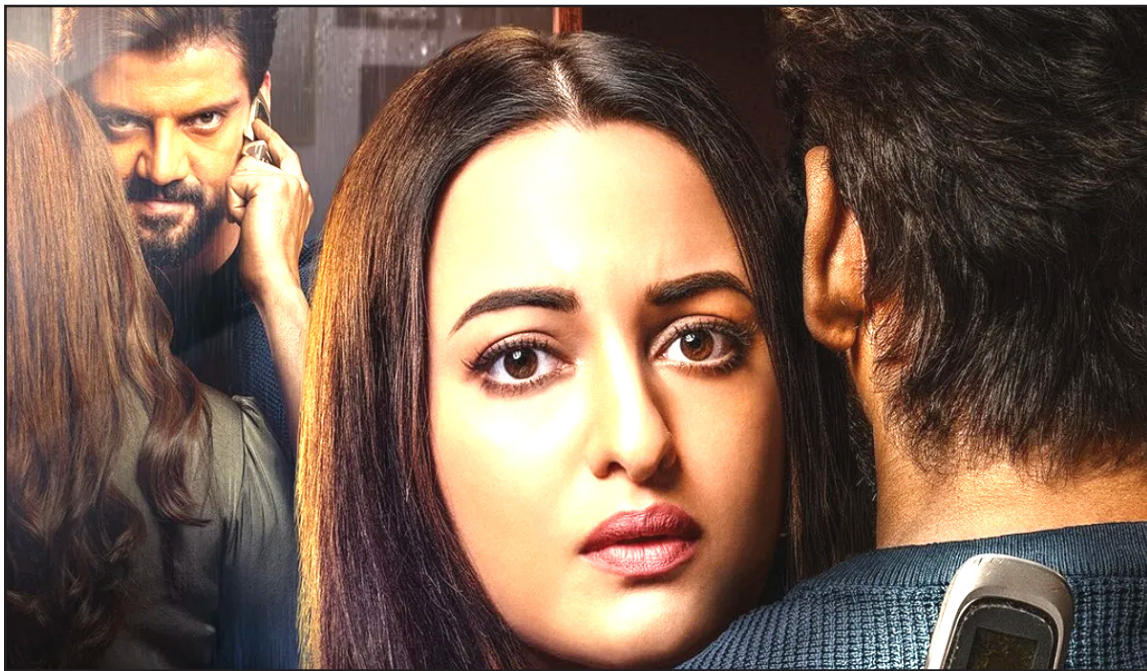
इसके अलावा आप हल्की दौड़ भी लगा सकते हैं। इससे आपका शरीर जेट लैंग के प्रभावों से जल्दी उभरता है।

इसके अलावा रात के समय अंधेरे को बढ़ावा दें ताकि आपकी नींद की गुणवत्ता

उदाहरण के लिए अगर आप 10 बजे सोते थे और अब आपको 8 बजे सोना है

फल-सब्जियां, नट्स, बीज, मछली आदि अपने आहार में शामिल करें ताकि आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलें।

# तू है मेरी किरण का ट्रेलर जारी, सोनाक्षी से एकतरफा प्यार में सनकी आशिक बने जहीर



सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल एक बार फिर से बड़े पर्दे पर एक साथ दिखने वाले हैं। वे आगामी फिल्म तू है मेरी किरण में एक साथ दिखेंगे। मेकर्स ने इस रोमांटिक थ्रिलर फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया है। यह

एक ऐसे रिश्ते की झलक दिखाता है जिसमें प्यार धीरे-धीरे एक डरावने और जुनूनी मोड़ पर पहुंच जाता है। यह रोमांटिक थ्रिलर मिस्ट्री, सस्पेंस और चौंकाने वाले ट्विस्ट के जरिए एकतरफा प्यार की कहानी दिखाती है।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने मंगलवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर तू है मेरी किरण का ट्रेलर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, एक कनेक्शन, दो रियलिटी, एक सच्चाई। तू है मेरी

किरण। ट्रेलर आ गया है। 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ट्रेलर में सोनाक्षी को किरण और जहीर को समर के तौर पर दिखाया गया है। जिनका रिश्ता आम नहीं लगता। ट्रेलर की शुरुआत जहीर के वॉयज ओवर से होता है, जो समर और किरण के कनेक्शन के बारे में बताता है। समर का मानना है कि उसके और किरण के बीच एक खास कनेक्शन है, लेकिन जिसे वह प्यार कहता है, वह जल्द ही काफी परेशान करने वाला लगने लगता है। क्योंकि उसका प्यार एकतरफा होता है। वह स्वीकार करता है कि कभी एकतरफा प्यार हुआ तो टूट जाएगा, इसलिए किरण को भी उससे प्यार करना होगा। यह सुनकर किरण समर से दूरी बनाने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है। एक समय पर, वह उससे कहती है कि उसे अकेला छोड़ दे। हालांकि, समर हार मानने से इनकार कर देता है, जिससे संकेत मिलता है कि किरण के प्रति उसका

जुनून तो बस शुरू ही हुआ है।

ट्रेलर उनके रिश्ते की असलियत को रहस्यमयी बनाए रखता है। कई सीन में तो हकीकत पर ही शक होता है। अजीब घटनाओं की वजह से किरण और दर्शक, दोनों ही सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि असल में क्या हो रहा है। ऐसे संकेत भी मिलते हैं कि कोई उसकी सोच को प्रभावित कर रहा है और उसे बर्बादी की कगार पर धकेल रहा है। समर का व्यवहार जैसे-जैसे पजेसिव होता जाता है, वैसे-वैसे तनाव बढ़ता जाता है। ट्रेलर एक डरावने मोड़ पर खत्म होता है, जिसमें बेहोश और घायल किरण की झलक देखने को मिलती है। तू है मेरी किरण का निर्देशन करण रावल ने किया है। इसे विशाल राणा और एशेलॉन प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अहम भूमिका में हैं। तू है मेरी किरण 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## ‘राइज एंड फॉल’ सीजन 2 में वाइल्ड कार्ड से एंट्री लेगी सोनम मलिक



हरियाणा की युवा अभिनेत्री सोनम मलिक जल्द ही रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल’ के दूसरे सीजन में वाइल्ड कार्ड प्रतिभागी के तौर पर नजर आएंगी। शो में उनकी एंट्री की खबर के बाद दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। भोजपुरी संगीत जगत में अपनी पहचान बना चुकीं सोनम अब लगातार नए प्रोजेक्ट्स के जरिए मनोरंजन क्षेत्र में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

सोनम मलिक भोजपुरी संगीत जगत के

कई प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी हैं। भोजपुरी के चर्चित गायक और अभिनेता पवन सिंह के साथ उनका पेशेवर जुड़ाव भी उन्हें सुर्खियों में ला चुका है। सोनम ने पवन सिंह के साथ चर्चित गीत ‘आरा के ओठलाली’ में काम किया था। गीत को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी और दोनों की जोड़ी को लेकर भी काफी चर्चा हुई थी।

सोनम मलिक उस समय भी चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने पवन सिंह के समर्थन में सार्वजनिक तौर पर अपनी बात रखी थी।

इसके बाद सामाजिक मंचों पर उनके बयान और पवन सिंह के साथ उनके पेशेवर संबंधों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं।

मनोरंजन जगत में यह चर्चा भी रही है कि पवन सिंह ने सोनम के करियर को आगे बढ़ाने में मदद करने की बात कही है। हालांकि, इस संबंध में कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इसलिए इसे फिलहाल मनोरंजन उद्योग में चल रही चर्चा के तौर पर ही देखा जा रहा है।

भोजपुरी संगीत जगत में काम करने के बाद सोनम मलिक ने चौपाल के मूल हरियाणवी प्रोजेक्ट ‘डाक खाना’ में भी अभिनय किया है। यह प्रोजेक्ट रिलीज हो चुका है। इसमें सोनम के साथ एनडी कुंडू नजर आए थे। अब सोनम हिंदी सिनेमा में भी कदम रखने की तैयारी में हैं। उनकी आगामी हिंदी फिल्म का नाम ‘महक’ बताया जा रहा है। फिल्म को लेकर उनके प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है और वे सोनम को हिंदी सिनेमा में नए अंदाज में देखने का इंतजार कर रहे हैं। ‘डाक खाना’ के बाद हिंदी फिल्म ‘महक’ और अब ‘राइज एंड फॉल’ के दूसरे सीजन में वाइल्ड कार्ड प्रवेश को सोनम मलिक के करियर के महत्वपूर्ण पड़ाव के तौर पर देखा जा रहा है। रियलिटी शो में सोनम की चुनौती केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं होगी। उन्हें अपनी रणनीति, खेल और व्यक्तित्व के दम पर अन्य प्रतिभागियों के बीच अपनी जगह बनानी होगी। अब देखना होगा कि शो में उनकी एंट्री मौजूदा समीकरणों को किस तरह प्रभावित करती है और दर्शक उनके नए अंदाज को कितना पसंद करते हैं।

## वाणी कपूर की फिल्म सर्वगुण संपन्न का ऐलान, ओटीटी पर दिखाएंगी बिलकुल नया अवतार

मंडला मर्डर्स (2025) की सफलता के बाद, वाणी कपूर एक बार फिर ओटीटी पर तहलका मचाने आ रही हैं। उनकी फिल्म सर्वगुण संपन्न का टीजर के साथ आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। इसका निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है, जबकि निर्माता दिनेश विजान की कंपनी मैडॉक फिल्म्स है। बता दें, सर्वगुण संपन्न 2023 में बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन किसी कारणवश रिलीज नहीं हो सकी। अब इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का फैसला लिया गया है।

टीजर में वाणी सलवार-सूट और चश्मा पहनने वाली सीधी-साधी लड़की के किरदार में दिखती हैं। कहानी उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शक्ल दुनिया की मशहूर एक एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है।

ये किरदार उनकी पिछली सभी भूमिकाओं से अलग होने वाला है।

इसके बाद कहानी में गलतफहमियों और मुश्किलों का दौर शुरू होता है। इशवाक सिंह और रघुवीर यादव भी फिल्म का हिस्सा हैं।

इसका प्रीमियर जी5 पर होगा, लेकिन रिलीज तारीख का ऐलान होना अभी बाकी है। निर्देशक सोनाली ‘सर्वगुण संपन्न’ को लेकर कहती हैं... ‘फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आईडिया से हुई थी। ‘शिद्दत’ के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित धिल्लियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।’

सोनाली का कहना है कि ‘फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।



## आमिर खान की नई पहल, लेकर आएंगे कविताएं और आम जनता की अनसुनी कहानियां

सुपरस्टार आमिर खान ने देश के जमीनी हुनरबाजों को एक बड़ा मंच देने का फैसला किया है। इसी कड़ी में उन्होंने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म आमिर खान टॉकीज पर एक अनोखा ओपन माइक शो वन्स अपॉन अ माइक शुरू किया है। इसका ऐलान आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा किया गया। इस पहल की शुरुआत मशहूर आर्ट कलेक्टिव कम्प्यून के सहयोग से की गई है। इसके जरिए उन आवाजों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा, जिन्हें मुख्यधारा के मनोरंज में जगह नहीं मिलती।

प्रोडक्शन ने घोषणा करते हुए लिखा, यह वो महफिल है जहां कहानियां उड़ान भरेंगी... यहां अलग अंदाज है और उस अंदाज की एक आवाज भी है।

इस मंच की खास बात यह होगी कि यहां सिर्फ कविताएं नहीं सुनाई जाएंगी, बल्कि रैप, स्पोकन वर्ड और आम जनता की अनसुनी कहानियों को भी दुनिया के सामने लाया जाएगा।

निर्माताओं ने पहला वीडियो भी जारी किया है, जिसकी शुरुआत मुंबई की महिला रैपर सानिया एमक्यू की सच्ची और दमदार कहानी से हुई।

मोबाईल: 9358129177 9557316580